

[illegible]

कानययनं विष्णु किरास्त्रायनः श्वानं नक्षत्रं मेकचि न कनधः यज्ञ
सुलेखि जानु नायानमी नास्वउवनत्त नः कृत्या मनिमधुलं हव
कु कनकवधु सर्वलाके विनिमूकः सनमनूक विक्षिष्टः च उवधि
विनिकानिः धनकनकसमीक्षि जायन नाउवंतः सुवनवनगृह
सिन् कायक म्मा नि कृत्वा ॥ धूमि रुमि सधन ॥ उं सर्व न धग न अधि
स्थाना अधिनि थं तुत्वा हा ॥ उं वडा कवि स लेत्वा हा ॥ मधु इय का हा

निस नय ॥ उं वडा सत्व सर्व विद्व धृच्छालय हं ॥ उं हं महाम ध्य मन
वनम ॥ दधूस ॥ उं डिम ध्य मन वानम ॥ दधूस ॥ उं हं हं क मन वान
म ॥ दधूस ॥ उं यं पूर्व विदि हायनम ॥ ऊजा न्य ॥ उं वं ड मू दियाय न
म ॥ खय स ॥ उं ले मूय न गम दावलियनम ॥ धडा न्य ॥ उं वं ड रु कू न
वम ॥ ऊजा स ॥ उं यं डय दियाय नम ॥ खडा का थू ॥ उं ना डय दि या
यनम ॥ खडा धधूस ॥ उं ला डय दियाय नम ॥ ऊजा थू थू ॥ उं यं गड

ललायनम ॥ **अअकाधस** ॥ उं नय नय नलायनम ॥ **हअन्य** ॥ उं न
मूथनलायनम ॥ **खअस** ॥ उं वसिनलायनम ॥ **धअन्य** ॥ उं यास्व
अनलायनम ॥ **अअस** ॥ उं नामलिनलायनम ॥ **खअकाधस** ॥ उं ला
यकनलायनम ॥ **खअधधस** ॥ उं वासर्वनिजा लिखनम ॥ **अअधधस**
॥ उं वंदं डायनम ॥ **अअकाध** ॥ उं सूर्य्यायनम ॥ **हअन्य** ॥ उं अशीव
अरुनलायनम ॥ **दधस** ॥ उं वजगंधास्वादा ॥ **विन** ॥ उं वजयथास्वादा

स्वा ॥ उं वजयथास्वादा ॥ **धनि** ॥ उं वजदियथास्वादा ॥ **मन** ॥ उं वजनेन
यथास्वादा ॥ **नवा** ॥ ॥ उं वरुनलमयमनः मरुदियायसातिन
नाना नलसमाहृददनु ननदायनीः गुत्रया वृद्धधम्मसंदय
म्यनथवयः निर्यागयामि रावनः संयुद्धनलमलुनं ॥ **आकिन**
स्वमलुनसहायक ॥ उं अहंशीमन वजस नगुन वरुननलकमना
यः संम्यहाना वरासनं कनायः नमहं नमस्तु नमनमस्तुह्योद



नवयंका ल्य नवायूमल्य नः लंकायानश्रुमि मद्यः विमूढे नमः

कायासि नयम लंका नः ॥ वृंआं जिं संहं ॥ लं मां प्रां नां वंका
यवेभमृमय केयदीयाः वृंदादि लंका या नायखादा ॥
नमः ॥ उं वृंदायखादा ॥ उं यमायखादा ॥ उं वनूनायखादा ॥ उं देव
यखादा ॥ उं कुल्लयखादा ॥ उं नेरायखादा ॥ उं वायूयखादा ॥ उं वृं
यखादा ॥ उं उं उं उं उं नखादा ॥ उं सूर्यायखादा ॥ उं वृंदा न
काधिया नयखादा ॥ उं कुं कुं कुं थिहखादा ॥ उं मागलखादा ॥ उं उं उं न

स्वाहा॥ उं यक्षस्वाहा॥ उं सर्वदिगलोकया नात्यस्वाहा॥ **यं वयस्तनय**
जा॥ उं वज्रलाघ्रं॥ उं वज्रमादिर्गो॥ उं वज्रगीर्त्यर्को॥ उं वज्रनृत्यभू॥ उं
 वज्रपुष्पं॥ उं वज्रद्वयं॥ उं वज्रावलाकीर्त्यर्को॥ उं गन्धवज्रभू॥ उं हं
 स्वाहा॥ उं हं स्वाहाद्यत्वा॥ **थन कि न न**॥ उं वृद्धादयामस्तविलाः लोकया
 नामरुद्धिकाः कीनयं तु दक्षकाटविद्युदंस्तानमस्तु न॥ **थन नत्यधया**
 उं विद्यानं वृद्धविवं दिवसकनधनाः विद्वत्तयं वरानः मुनियं वा

ननूपं गिन गिव न ननू मंरुधाषं वगमथः यमादरुं दंदनूपः कलिम
 लं वयुषः वज्रिनं हिमक्षयः विह्वलं ह्वननूपं निदिनतवरयं यं व
 मूकियदम॥ **वनिमजाकिर्गं तस्यके**॥ उं वृद्धादिवज्रिसहदवसच
 यिमंचगृहं वनिविगिरः नृत्तुक्रमनेमत्यरुयनिग्धः आयायनिवा
 यधनाधियथः वृक्षानिरुगाधियनिरुदवाः उरुयवत्ताकयिनामरु
 थदवासमस्ताः रविक्कयनागधनाधनगुक्कगनेममास्ताः यनियनि
 नंनकानिवेदयकुः स्वकस्यकावेवदिग्गुगुनाः गृहं गृहं गृहाः सय

लाससंन्यासपूज्याचवःस्यकनेसमष्टाःपृथंवल्लिध्रयंनिवदनये
नुजंलु किद्यलुयिपंलुःददंलुलुवकमसरुलुगलु॥**दामा**
नडंनमनलुगयायचद्ववजयानयःमहावजकाप्रायःदद्याकनरुन
कायःअसिमूलनयलसयागगुलायःअमृलकुलिलिःसखखादि
रनिहृरवचरदनरददरययेररुदरवगत्रिनाममानावल्लि
विखगुदरसफयागानमःनुजंगसयवागजयरआकचरदोरहा
रकमांरदांरसिनिरधिनिरद्वंररुदखादा॥ॐ॥**पंचयहाप्रजा**

॥**लाभा॥** चत्तावादननुनि॥**मग्ननयन॥** सनादन॥**कमायन॥**
विगुत्रमथुन॥ वनिविसर्जन॥**गुरमंगलंतवन्तु॥** सर्वसिद्धिरवधि